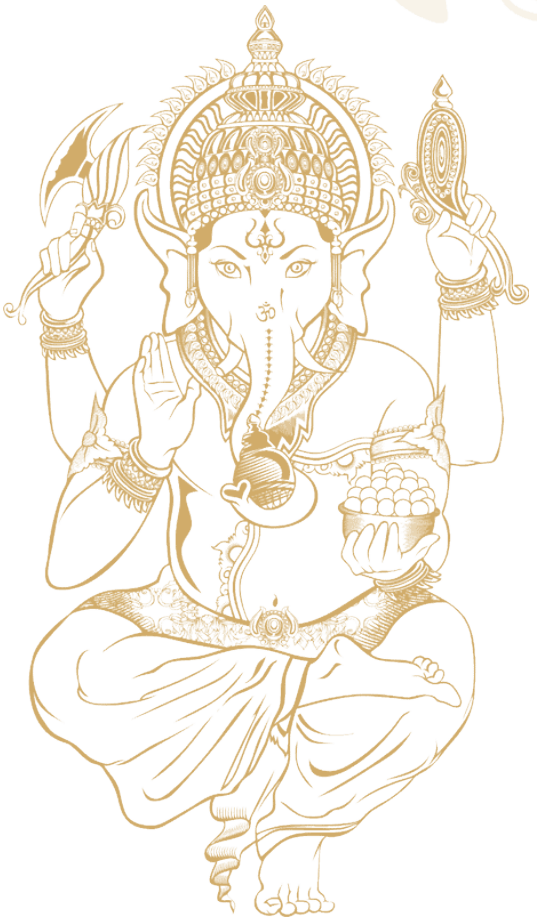

Parth

Manali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121376702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/11/1995	जन्म तिथि	16/06/1994
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 09:30:00	जन्म समय	21:12:00 घंटे
घटी 06:48:15	जन्म समय(घटी)	39:32:18 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Vadodara
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	22:19:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	73:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:37:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:41	सूर्योदय	05:53:02
17:26:04	सूर्यास्त	19:22:20
23:48:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:00

विंशोत्तरी चन्द्र 5वर्ष 5मा 2दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 4वर्ष 10मा 10दि
राहु	07:20:09	धनु	लग्न	धनु	28:29:41	राहु
22/04/2008	02:32:11	वृश्चि	सूर्य	मिथु	01:28:51	26/04/2016
23/04/2026	16:06:01	कन्या	चंद्र	सिंह	29:11:45	27/04/2034
राहु 03/01/2011	27:36:53	वृश्चि	मंगल	मेष	23:46:29	राहु 08/01/2019
गुरु 29/05/2013	00:11:43	वृश्चि	बुध व	मिथु	14:04:14	गुरु 02/06/2021
शनि 04/04/2016	26:01:20	वृश्चि	गुरु व	तुला	11:20:34	शनि 08/04/2024
बुध 22/10/2018	25:46:12	वृश्चि	शुक्र	कर्क	07:47:50	बुध 27/10/2026
केतु 10/11/2019	24:12:02	कुंभ व	शनि	कुंभ	18:35:06	केतु 14/11/2027
शुक्र 09/11/2022	02:26:57	तुला	राहु व	तुला	29:35:11	शुक्र 14/11/2030
सूर्य 04/10/2023	02:26:57	मेष	केतु व	मेष	29:35:11	सूर्य 09/10/2031
चन्द्र 04/04/2025	03:31:05	मक	हर्ष व	मक	01:43:42	चन्द्र 08/04/2033
मंगल 23/04/2026	29:31:36	धनु	नेप व	धनु	28:54:00	मंगल 27/04/2034
	06:31:44	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	02:07:44	

लग्न-चलित

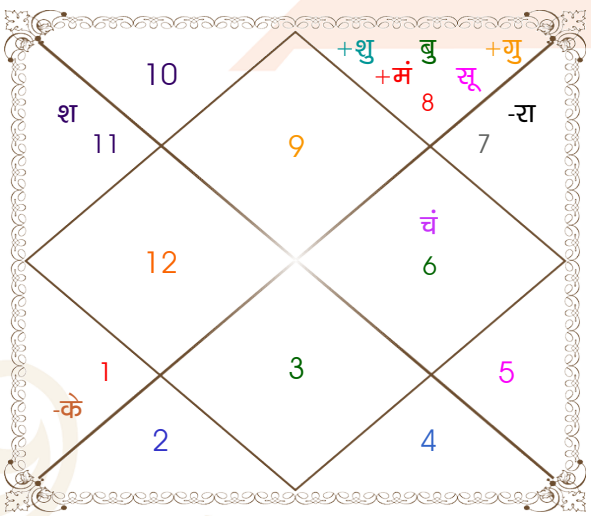

लग्न-चलित

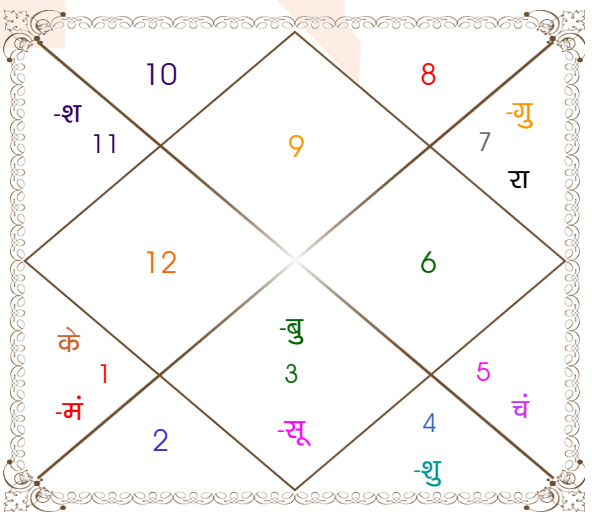

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Parth का वर्ग मेष है तथा Manali का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Parth और Manali का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Parth मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Parth कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Parth कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Parth कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Manali मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Manali कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Parth तथा Manali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।